भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001

फ़ाइल् क्रमांक **F.No. :** टेक **10-6/2023** दिनांक **Date: 11.09.2023**

YouTube channel: https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxkAuSyQ
Facebook Page: https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-यह दाने भरने की प्रारंभिक अवस्था से 507415769433553
Twitter: @IisrIcar **Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers**

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(11-17सितम्बर 2023 / 11th-17th September 2023)

1	जिन क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही हैं, कृपया अपने खेत से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु समुचित व्यवस्था करे एवं जलभराव की स्थिति से होने वाले नुकसान से फसल को बचाए. It is advised to make necessary drainage arrangement in order to maintain the quality of the soybean produce due to continuous rain at the time of maturity as a result of logging situation	
2	सोयाबीन की फलियों में दाने भरने या परिपक्वता की अवस्था में फसल पर होने वाली लगातार बारिश से सोयाबीन की गुणवत्ता में कमी आ सकती हैं या फलियों के दाने अंकुरित होने की भी सम्भावना हो सकती हैं. अतः सलाह हैं कि उचित समय पर फसल की कटाई करे जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके. Because of continued rain during the maturity stage, the soybean crop is likely to be affected in terms of its quality parameters including viability as well as risk of pre-harvest sprouting in the matured pods. Therefore, farmers are advised to harvest their crop at the right time (Physiological maturity indicating change in pod color). This will also minimize the yield losses due to shattering. However, the crop harvested at physiological maturity must be dried properly to avoid losses due to rotting of grains.	
3	सोयाबीन की शीघ्र पकनेवाली किस्मों में 90% फलियों का रंग पिला पड़ने पर फसल की कटाई कर सकते हैं. इससे बीज के अंकुरण में विपरीत प्रभाव नहीं होता. It is advised that the early maturing soybean varieties should be harvested immediately after the 90% pods have turned yellow. This will not have adverse effect on the seed germination.	
4	बीजोत्पादन कार्यक्रम वाले खेत में सलाह हैं कि फसल पर अनुशंसित फफूंदनाशक (सूचि मद क्रमांक 9 में दी गई सूचि अनुसार) का छिडकाव करें. Where the crop is sown for seed purpose or the produce is to be used as seed during next season, farmers are advised to spray the crop with any of the recommended fungicides (detailed list given in point No. 9)	
5	लगभग 60-75 दिन की सोयाबीन फसल में चक्र भृंग से बहुत अधिक नुकसान होने की सम्भावना कम ही होती हैं. और इसके नियंत्रण के लिए कीटनाशकों का छिडकाव आर्थिक रूप से लाभकारी नहीं होता. अतः इससे घबराये नहीं और पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट करें. The economic loss due to Girdle Beetle in the crop of more than 65 days duration is minimum. Therefore, farmers are suggested not to apply any chemical.	

6	मध्य प्रदेश के रतलाम, विदिशा समेत कई जिलों में विगत सप्ताह से सोयाबीन फसल पर तम्बाकू का प्रकोप देखा जा रहा हैं. इसके नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि फसल पर लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 4.90 सी.एस. 300 मिली/हे. या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी. (250-300 ग्रा./हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) का छिडकाव करने की सलाह हैं. Certain districts of Madhya Pradesh including Vidisha and Ratlam have seen the incidence of tobacco caterpillar. Farmers are advised to apply the spray of any one of the following insecticides for its control. These are Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 ml/ha) OR Spinetoram 11.70 % SC (150 ml/ha).	
7	दाने भरने की अवस्था में फली भेदक चने की इल्ली द्वारा फलियों के अन्दर से दाने खाने की सम्भावना होती हैं. अतः इसके नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी एक कीटनाशक का छिडकाव करने की सलाह हैं. इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), For control the attack of Gram Pod Borers during pod filling stage,,farmers are advised to spray any one of the following insecticides: Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), **OR** Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) **OR** Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha) **OR** Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) This may also help to reduce the damage caused by defoliators who are found eating the flowers.	
8	पत्ती खाने वाली तीनों इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) या इनमें से कोई एक इल्ली के साथ-साथ रस चूसने वाले कीट (सफ़ेद मक्खी/एफिड) एवं तना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. या थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) का छिडकाव करें. In such areas where having infestation of defoliators as well white fly and stem borers simultaneously, it is advised to spray the crop with either one of the premixed formulations like Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha) OR Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha).	
9	वर्तमान में इंदौर, रतलाम सहित मालवा के कुछ जिलों में सोयाबीन फसल पर ब्राउन रोट रोग के लक्षण पाए गए हैं, जो कि ब्लैक केंकर या सडन डेथ सिंड्रोम जैसे प्रतीत हो रहे हैं. इस रोग बाबत संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा युटुब चैनल पर एक विडियो भी अपलोड किया गया हैं. इसके नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि बिंदु क्रमांक 10 में दिये गए अनुशंसित फफूंदनशकों में से किसी एक का छिडकाव करें. Symptoms of Brown stem rot (coupled with Stem canker/Sudden Death Syndrome) are reported in Indore, Ratlam and other districts of Malwa area. The ICAR-IISR has uploaded one video on its youtube channel () Farmers are advised to apply the spray of any one recommended fungicide given in point No. 10 of this advisory.	
10	वर्तमान में सोयाबीन फसल पर ब्राउन स्टेम रोट , पोड ब्लाइट, एन्थ्राक्नोज, रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट जैसे फफूंदजनित रोगों का प्रकोप देखा जा रहा हैं. कृषकों को सलाह हैं कि फफूंदजनित रोगों से सुरक्षा हेतु अपनी फसल पर टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाझोल 10%+सल्फर 65%WG (1250 ग्राम/हे) या कार्बेन्डाजिम+मेन्कोजेब 63% WP (1250 ग्राम/हे) या पिकोक्सीस्ट्रोबिन 22.52% w/wSC (400 मिली/हे) या फ्लुक्सापाग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 ग्रा/हे.) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन 133 g/l + इपिक्साकोनाजोल 50g/l SE (750 मिली/हे) जैसे अनुशंसित फफूंदनाशकों में से किसी एक का सुरक्षात्मक छिडकाव करें. Crop damage due to the infection of fungal diseases like Brown Stem Rot,Pod blight/anthracnose/Rhizoctonia Arial blight are reported in certain area. Farmers are advised to apply spray of any one of the recommended fungicides like like Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1250 g/ha) OR Carbendazim+Mancozeb 63%WP (1250 g/ha) OR Picoxystrobin 22.52% w/w SC (400 ml/ha) OR Fluxapyroxad 167 g/l + Pyraclostrobin 333 g/l SC (300 g/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) as a protective spray for control of fungal diseases.	

11	**जहाँ पर पीले मोज़ेक वायरस रोग के लक्षण देखे जा रहे हैं, कृषकों को सलाह हैं कि इसके प्रारंभिक लक्षण दीखते ही** तत्काल रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें एवं अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. एवं पीले मोज़ेक वायरस रोग को फ़ैलाने वाले वाहक कीट सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु अनुशंसित कीटनाशक एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिडकाव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिडकाव किया जा सकता हैं. का भी छिडकाव किया जा सकता हैं. **इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है.** Farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts soon after the symptoms of YMV are seen, along with the installation of yellow sticky traps for the control of its vector i.e. White fly. In addition, farmers are also advised to apply the spray of Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) for control of white flies/aphids. Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). **This will also facilitate the control of stem flies.** Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies, the vector of YMV.	 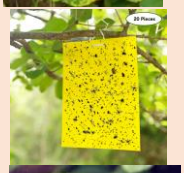

अन्य सुरक्षात्मक उपाय/सामान्य सलाह
Other Precautionary Measures and general advise

1	तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के नियंत्रण हेतु बाजार में उपलब्ध कीट-विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये. इनके सेप्टा लगाने से पूर्व अपने हाथ स्वच्छ है यह सुनिश्चित करें. For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised to install insect-specific pheromone traps and use NPV (250 LE/ha). The use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects. Clean your hands before the installation of the septa.	
2	जैविक सोयाबीन उत्पादन करने वाले कृषकों को सलाह हैं कि पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में ही रोकथाम हेतु *बेसिलस थुरिन्जिएन्सिस* अथवा *ब्युवेरिया बेसिआना* या *नोमुरिया रिलेयी* (1.0 ली/.हेक्टे) का छिडकाव करें. Farmers are advised to use *Bacillus thuringiensis* or *Beauveria bassiana or Nomuriya rileyi* @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar) especially in organic soybean production.	
3	कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा इल्लियों को खाने से होने वाले नियंत्रण को और सुविधाजनक बनाने हेतु सोयाबीन फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है . Install "T shaped" Bird Perches at different locations facilitating the easy access to the predatory birds for feeding on leaf eating caterpillars.	
4	वायरस जनित पीला मोज़ेक रोग से सुरक्षा हेतु इन रोगों को फैलाने वाले रसचुसक कीट सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण के लिए अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. Install Yellow Sticky Traps at different locations in the field as preventive measures for control of white fly acting as carriers for transmission of these viral diseases.	
5.	सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिडकाव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर या ट्रेक्टर चालित स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पॉवर स्प्रेयर से 125 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें. Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/ tractor drawn sprayer OR 120 l/ha for power sprayer).	

Please follow our social Media